हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 18.6 डिग्री
न्यूनतम 4.0 डिग्री

12 100 मीटर रेस व डिस्कस थ्रो में अंबली की गीता बनी ...

12 माता सवित्रीभाई फुले की जयंती पर 71 युवाओं ...

खबर संक्षेप

पश्चिमी यमुना नहर से मिला अज्ञात शव

इंद्री। इंद्री के गांव जैनपुर के समीप पश्चिमी यमुना नहर से अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। राहगीरों ने जैसे ही शव को नहर में तैरता देखा तो तुरंत इसकी सूचना डायल 112 व इंद्री पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नहर से बाहर निकलवाया और शिनाख्त के लिए करनाल मोर्चरी हाउस में रखवा दिया। इस मामले में इंद्री थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि पश्चिमी यमुना नहर में एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ आ रहा है । मौके पर जाकर शव को नहर से निकलवाया गया । उसके पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला है।

घर में घुसकर व्यक्ति पर लोहे की रॉड व डंडों से हमला

यमुनानगर। शहर की राजाराम कॉलोनी में कहासुनी होने पर कुछ लोगों ने कुलवंत सिंह पर लोहे की रॉड व डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने कुलवंत सिंह का मकान भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घायल कुलवंत सिंह का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पांच आरोपी लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

अवैध नशीले पदार्थ के साथ युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने शहर के हमीदा हेड के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक किलो 600 ग्राम गांजा फूल पत्ती बरामद की। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के आरोप में केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प्लाट बेचने के नाम पर व्यक्ति से हड़पे 25 लाख

यमुनानगर। शहर की ज्योति नगर में प्लाट बेचने के नाम पर थर्मल प्लांट कॉलोनी निवासी देवेंद्र कुमार से 25 लाख रुपये हड़प लिए गए। आरोप गांव सतगोली निवासी दीदार सिंह व भावुक भाटिया पर लगा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। थर्मल प्लांट कॉलोनी निवासी देवेंद्र कुमार ने हुड्डा सेक्टर 17 जगाधरी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह रिहायशी प्लाट खरीदना चाहता था। इस दौरान उसकी मुलाकात गांव सतगोली निवासी देवेंद्र कुमार व भावुक भाटिया के साथ हुई।

दुबई भेजने के नाम पर युवक से हड़पे 1.20 लाख

यमुनानगर। दुबई भेजने के नाम पर गांव गधोला निवासी सौरभ से एक लाख 20 हजार रुपये हड़प लिए गए। आरोप गांव के ही रिंकू व लखविंदर पर लगा है। पुलिस ने सौरव के भाई कपिल की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव गधोला निवासी कपिल ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई सौरभ पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसकी मुलाकात गांव के ही रिंकू व लखविंदर सिंह के साथ हुई।

दो भाइयों को अधमरा किया, केस दर्ज

पानीपत। पानीपत के भोला चौक पर बिल्लू कॉलोनी निवासी दीपक व इसके बुआ के पुत्र मनीष पर शिव उर्फ मोहन निवासी दीनानाथ कॉलोनी, फारूख, धोनी और उनके तीन अन्य साथियों ने हमला बोल दिया। आरोपियों ने दीपक की छाती पर बर्फ तोड़ने वाले सूए से वार किया। बीचबचाव करने पर मनीष की लात व घुंसों से जमकर पिटाई की। राहगिरों ने बीच बचाव कर दीपक व मनीष को अस्पताल भिजवाया। इधर, थाना तहसील कैंप पुलिस ने घायल दीपक के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर केस दर्ज कर लिया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने करनाल में निर्माणाधीन परियोजनाओं का किया निरीक्षण

करनाल के बीचों-बीच बनने वाले एलिवेटेड फ्लाईओवर का नाम 'अटल सेतु' होगा

एलिवेटेड फ्लाईओवर का निर्माण कार्य दिसंबर तक पूरा हो जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

केन्द्रीय, ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि करनाल शहर के बीचों-बीच बनने वाले एलिवेटेड फ्लाईओवर का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है और आगामी दिसम्बर मास तक इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। जैसे इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा होगा, इसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित करके अटल सेतु रखा जाएगा। यह घोषणा मनोहर लाल ने शनिवार को करनाल दौरे के दौरान शहर में चल रहे विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का निरीक्षण करने के उपरांत लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में मीडिया से रूबरू होते हुए की। मनोहर लाल ने सर्वप्रथम मीडिया को नव वर्ष की शुभकामनाएं और हार्दिक बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि नए वर्ष में नए संकल्प के साथ आगे बढ़ें। देश व प्रदेश के विकास में सहयोगी बनें। उन्होंने मीडिया के सवाल के जवाब में कहा कि करनाल में आज उनका मुख्य कार्यक्रम विदेश में रोजगार के लिये चयनित युवाओं को ऑफर लेटर वितरण करना है। हरियाणा सरकार की यह एक अनूठी पहल है।

करनाल। एलिवेटेड फ्लाईओवर का निरीक्षण करते हुए केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल। फोटो : हरिभूमि

शक्ति कॉलोनी में निर्माणाधीन परियोजना का भी दौरा किया

निरीक्षण के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने शक्ति कॉलोनी में 106 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन परियोजना का भी दौरा किया और प्रगति के बारे में जानकारी ली। इस पर उपायुक्त ने बताया कि यह कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अपने अंतिम चरण में है। इस पर मनोहर लाल ने निर्देश दिये कि जैसे ही निर्माण कार्य पूरा हो जाए, तुरंत आगे की प्रक्रिया अमल में लाई जाए। इस अवसर पर नीलोखेड़ी के विधायक भगवान दास कबीर पंथी, असंध के विधायक योगेन्द्र राणा, मेयर रेनू बाला गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीन लाठर आदि मौजूद रहे।

जल्द ही विदेशों में 7600 युवाओं को रोजगार मिलेगा

इस पहल से युवाओं को बिना खर्चे के विदेशों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इतना ही नहीं दलालों से छुटकारा भी मिल रहा है और डोंकी जैसे गलत रास्ते से भी युवा बचेंगे। ऐसी व्यवस्था उपलब्ध करवाने वाला हरियाणा देश का अग्रणी प्रदेश है और जल्द ही विदेशों में 7600 युवाओं के लिए और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले लगभग 128 करोड़ रुपये से सेक्टर 13 व 14 के बीचो-बीच गुजरने वाले मार्ग पर बनाए जा रहे एलिवेटेड फ्लाईओवर का निरीक्षण किया।

अब तक 60 से 65 प्रतिशत कार्य हो चुका पूरा

इस मौके पर उपायुक्त एवं स्मार्ट सिटी परियोजना करनाल के सीईओ उत्तम सिंह ने बताया कि इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य गत 19 जनवरी 2025 को शुरू हुआ था, तभी से यह कार्य तेज गति से चल रहा है और निर्धारित समय अवधि से पूरा करवाने का भरसक प्रयास जारी है तथा अब तक 60 से 65 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। केन्द्रीय मंत्री ने इसके बाद मुगल कनाल जिसका नाम अब कर्ण कनाल है, इसके फेज 2 व 3 के कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए।

शहर की सुंदरता बढ़ाने की दिशा में कार्य योजना तैयार करें

शहर की सुंदरता व नगर निगम के स्रोतों को बढ़ाने की दिशा में बेहतरीन कार्य योजना तैयार करें। इसके अलावा फेज 4 के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग को पार करने के बाद कर्ण कनाल के आगे के हिस्से को साफ पानी के लिये भी तैयार करने की योजना बनाएं। मनोहर लाल ने कर्ण कनाल का निरीक्षण करने के उपरांत पुरानी अनाज मंडी में करीब 35 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे कमर्शियल प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस परियोजना को तेज गति से पूरा किया जाए, ताकि नगर निगम की आय के स्रोतों में बढ़ौतरी हो सके।

जालंधर में गए थे मत्था टेकने

कसेरला के दो युवकों की हादसे में जान गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

नए साल पर जालंधर माथा टेकने गांव कसेरला कलां के दो युवकों की हादसे में मौत हो गई जबकि उनके चार साथी घायल हो गए। एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। जिन युवकों की मौत हुई वह एक ही परिवार के थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया। घटना में जान गंवाने वाले कर्ण और प्रिंस का शव सुबह गांव पहुंचा। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। उधर जालंधर में घायलों की मदद के लिए डेरा सचखंड बल्लां से और भीम आर्मी की टीम भी मदद के लिए पहुंच गई। इसके अलावा श्री गुरु रविदास धर्म अस्थान सिरसगढ़ के संचालक संत मनदीप दास ने इस घटना पर शोक जताया है। गांव के सुरेश कुमार ने बताया कि प्रिंस दो बहनों का इकलौता भाई था। वह उगाला के सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा का छात्र था। कर्ण यारा गांव के स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ता था। इन युवकों में कर्ण, प्रिंस और राहुल एक ही परिवार के हैं।

यमुनानगर: ट्रेन की चपेट में आने से किशोर की मौत

यमुनानगर। घूमने के लिए घर से निकले सत्रह वर्षीय किशोर की रास्ते में ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और मामले में जांच शुरू कर दी। राजकीय रेलवे पुलिस के जांच अधिकारी बोधराज ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि अंबाला-सहारनपुर रेलवे मार्ग पर विष्णु नगर पुलिया के नजदीक ट्रेन की चपेट में आने से किशोर की मौत हो गई है। सूचना मिलते ही वह अन्य पुलिस कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। इस दौरान उन्होंने मृतक की शिनाख्त के लिए पूछताछ की तो पता चला कि पता चला कि मृतक शिव कालोनी (कैंप) निवासी अंकुश (17) है। मृतक के परिजनों द्वारा शिनाख्त किए जाने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

मृतक अंकुश का फाइल फोटो।

यमुनानगर। शव का पोस्टमार्टम करवाने के दौरान शोकाकुल परिजन।

अहमदाबाद में राष्ट्रीय कुश्ती में गोल्ड जीतने पर सहरावत को ग्रामीणों ने पलकों पर बैठाया

पानीपत। पहलवान ललित को गदा भेंट करते हुए सहरावत खाप के चौधरी।

समालखा। पानीपत के गांव करहंस निवासी नौसेना के हवलदार ललित सहरावत ने गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में 55 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। वहीं हवलदार ललित का गांव पहुंचने पर समस्त गांव निवासियों व सहरावत खाप द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इससे पहले भी ललित सन 2023 में इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीत चुके है। इधर, सहरावत खाप व करहंस निवासियों ने ललित का विजय जुलूस निकाला और सभी डीजे की धुन पर नाचते-गाते गांव की गलियों से होते हुए जीटी रोड से शिव मंदिर पहुंचे। इधर, राष्ट्रीय सहरावत खाप के प्रधान मूलचंद सहरावत और अन्य प्रदेशों के सहरावत खाप के प्रधानों, मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के भाई हरपाल ढांडा ने ललित को फूल मालाएं पहनाकर, नगदी और गदा भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने ललित को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए उसे खेल निखारने व अभ्यास करने में उसकी जरूरत के अनुसार सहयोग करने का आश्वासन दिया। इधर ललित ने भी बुजुर्गों से आशीर्वाद लेते हुए कहा कि वे देश के लिए मेडल जीत कर लाएंगे और इसके लिए अनुभवी ट्रेनरों की देखरेख में कठोर परिश्रम करते हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे है।

राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में 1500 उच्च नस्ल के पशु लेंगे हिस्सा

कुरुक्षेत्र। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के महानिदेशक डॉ. प्रेम सिंह ने कहा कि विभाग द्वारा कुरुक्षेत्र के केडीबी मेला ग्राउंड में आगामी 6 से 8 फरवरी 2026 तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस विशाल प्रदर्शनी में हरियाणा की समृद्ध पशुधन विरासत का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें भैंस, गाय, भेड़, बकरी, अश्व और सूकर प्रजाति के लगभग 1500 उच्च नस्ल के पशु कुल 53 विभिन्न श्रेणियों में भाग लेंगें। विभाग का अनुमान है कि इस तीन दिवसीय उत्सव में प्रदेश भर से लगभग 50,000 पशुपालक हिस्सा लेंगे, जिससे यह पशुपालन के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने का एक बड़ा मंच बनेगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के महानिदेशक डॉ. प्रेम सिंह ने कहा कि पशुपालकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए विभाग ने व्यापक प्रबंध किए हैं।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के महानिदेशक डॉ. प्रेम सिंह ने दी जानकारी

कुवि में एआई व डाटा एनालिटिक्स विषय पर कार्यशाला में बोले कुलपति

युवाओं में कौशल विकास के लिए एआई का ज्ञान जरूरी

- एआई और डाटा एनालिटिक्स के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, उद्योग एवं पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में बदलाव आ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा है कि युवाओं में कौशल विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ज्ञान होना जरूरी है। डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा एनालिटिक्स के कारण न केवल शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, उद्योग एवं पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में बदलाव आ रहा है, बल्कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को भी बेहतर बनाने में इसका महत्वपूर्ण योगदान साबित हो रहा है।

वे शुक्रवार को केयू सीनेट हाल में कुवि के प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता एवं रोजगार केन्द्र द्वारा एआई व डाटा एनालिटिक्स विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि एआई का ज्ञान हर व्यक्ति के लिए एक जरूरी है क्योंकि दैनिक जीवन में हम एआई से दूर नहीं रह सकते, बल्कि एआई से विभिन्न प्रयोग सीखकर हम अपने कार्यों की गुणवत्ता में भी सुधार ला सकते हैं। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कौशल विकास वर्तमान समय की मांग है जिसके आधार पर युवा आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनकर देश के विकास में अहम योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य की दुनिया एआई और डाटा एनालिटिक्स पर आधारित है, इसलिए हर किसी को इन तकनीकों को समझना और अपनाना बहुत जरूरी है। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए इस केन्द्र को बधाई भी दी एवं प्रतिभागी छात्रों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए।

कुरुक्षेत्र। प्रतिभागी छात्रों को सर्टिफिकेट देते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा। फोटो : हरिभूमि

एआई से रोजगार के अवसर कम नहीं होंगे

केयू डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि ऐसा सोचना सही नहीं होगा कि एआई से नौकरी और रोजगार के अवसरों में कोई कमी आएगी बल्कि इससे और अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी तकनीक, ज्ञान एवं कौशल को अपडेट करना अनिवार्य है।

सुबह की सैर कर रहे व्यक्ति को कार ने मारी टक्कर, मौत

यमुनानगर। गांव सारण के बाहर सड़क पर सुबह की सैर कर रहे व्यक्ति को कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

गांव सारण निवास से परमीत कुमार ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 69 वर्षीय रामपाल दो जनवरी को सुबह सात बजे गांव के बाहर सड़क पर सुबह की सैर करने के लिए गया था। इस दौरान पीछे से तेज गति से आ रही कार ने उसके पिता रामपाल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसका पिता सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

गांव सारण के नजदीक हुआ हादसा

जनजीवन प्रभावित

आसमान में धुंध के बादल छाए रहने से सूर्य देवता के नहीं हुए दर्शन

नए वर्ष के तीसरे दिन भी नहीं थमा मौसम में कड़ाके की ठंड का प्रकोप

न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 16 डिग्री सेल्सियस रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नए वर्ष 2026 के तीसरे दिन शनिवार को भी पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी के चलते उत्तर भारत में शीत लहर का प्रकोप जारी रहा। आलम यह है कि पिछले करीब दस दिन से जिले में कड़ाके की ठंड पड़ने से लोगों के कामधंधे प्रभावित हो गए हैं। वहीं, बुजुर्ग और बच्चे बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। खास बात यह है कि हाड गलाने वाली ठंड ने पशुओं को भी अपनी चपेट में ले लिया है। पशुपालक अपने पशुओं को ठंड से बचाने के लिए अलाव जलाकर उन्हें हीट दे रहे हैं। मौसम में ठंड बढ़ने से शनिवार को जिले का न्यूनतम तापमान घटकर 6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रह गया।

यमुनानगर। घना कोहरा छाए रहने से सड़कों पर लाइटें जलाकर चलते हुए वाहन व ठंड में बीमार हुए पशु को अलाव जलाकर ठंड से राहत देते हुए पशुपालक। फोटो : हरिभूमि

ठंड बढ़ने से दिनभर कंपकंपाते रहे लोग

शनिवार को भी अल सुबह जिले में घना कोहरा छा गया और शीतलहर चलने लगी व आसमान में धुंध के बादल छा गए। आलम यह रहा कि आसमान में धुंध के बादल छाए रहने से जिले में दिन भर धूप नहीं निकलने की वजह से लोगों की दिक्कतें और भी ज्यादा बढ़ गई। ठंड के कारण बाजारों की रौनक भी गायब रही। हालांकि दोपहर के समय हिम्मत जुटाकर लोग किसी तरह बाहर निकले। लेकिन एक-दो घंटा काम करने के बाद ठंड ने उन्हें दोबारा घरों में दुबकने को मजबूर कर दिया।

पशुओं पर ठंड पड़ने लगी भारी

मौसम में अधिक ठंड बढ़ने से किसानों के पशु बीमार होने लगे हैं। जिन्हें बचाने के लिए किसान आग का सहारा ले रहे हैं। कई पशुओं की हालत ऐसी है कि वह सुबह के समय उठ भी नहीं पा रहे हैं। जिन्हें अलाव जलाकर हीट देकर किसी तरह उठाया जा रहा है। किसान महाबीर सिंह व गुरनाम सिंह का कहना है कि यदि ठंड का कहर इसी तरह कुछ दिन और जारी रहा तो बुढ़े हो चुके पशु मौत का ग्रास बनने लगेंगे। उनका कहना है कि सारा-सारा दिन सूर्य देव के दर्शन न होने और मौसम में अधिक ठंड बढ़ने से उनके पशुओं का दूध भी कम होने लगा है।

पानीपत: युवक को पीटा, चार पर केस

पानीपत। पानीपत के गांव कचरौली निवासी कृष्ण पर रास्ता रोककर हमला कर उसे घायल कर दिया गया। आरोपियों ने कृष्ण को लोहे की पाइप से पीटकर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इधर, परिजनों ने घायल कृष्ण को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। दूसरी ओर , थाना सदर पुलिस ने कृष्ण के बयान दर्ज किए और उसकी शिकायत पर भीम सिंह, सुभाष, रमन उर्फ कालू और इनके अज्ञात साथी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 126(2), 351(3) और 3(5) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नियमित उपचार से क्षय रोगी पूरी तरह हो सकता है स्वस्थ: डॉ. जितेंद्र

■ निक्षय मित्र योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में नागरिक अस्पताल यमुनानगर में क्षय रोग से पीड़ति मरीजों को मानसिक एवं सामाजिक सहयोग प्रदान करने के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र ने की। कार्यशाला में नेहरू युवा केंद्र से जुड़े स्वयंसेवकों ने भाग लिया। सिविल सर्जन डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि क्षय

यमुनानगर। नागरिक अस्पताल में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते स्वयंसेवक।

रोग एक पूर्णतः उपचार योग्य रोग है। समय पर जांच और नियमित उपचार से रोगी पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा क्षय रोग की जांच से लेकर उपचार तक सभी सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र ने कहा कि समाज का सहयोग मिलने से रोगियों में आत्मविश्वास बढ़ता है व उपचार की सफलता सुनिश्चित होती है।

कार्यशाला में ये रहे मौजूद

मौके पर जिला युवा अधिकारी ओमकार स्वामी ने सभी स्वयंसेवकों को क्षय रोग को दूर करने के लिए सहयोग करने के लिए आहवान किया गया। मौके पर निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण किया गया। निक्षय मित्र योजना के अंतर्गत स्वयंसेवक जिले के क्षय रोगियों को गोद लेकर उन्हें पोषण किट के साथ साथ मानसिक एवं सामाजिक सहयोग प्रदान करेंगे।

सभी सेवाएं निःशुल्क

मौके पर उप सिविल सर्जन (क्षय रोग)डॉ. चारू कलारा ने कार्यशाला में क्षय रोग के लक्षण, जांच, उपचार, बचाव एवं रोगियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा क्षय रोगियों को निःशुल्क जांच, निःशुल्क दवाइयां तथा उपचार अवधि के दौरान पोषण सहायता के रूप में प्रतिमाह एक हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने निक्षय मित्र योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता से रोगियों को अतिरिक्त सहयोग दिया जा रहा है। डॉ. चारु कालरा ने कहा कि यदि माय भारत के स्वयंसेवक क्षय रोगियों को मानसिक एवं सामाजिक सहयोग प्रदान करते हैं। तो इससे रोगियों के प्रति समाज में व्याप्त भेदभाव एवं सामाजिक कलंक को दूर करने में मदद मिलेगी। स्वयंसेवकों की सकारात्मक भूमिका से समाज में यह संदेश जाएगा कि क्षय रोग कोई छिपाने योग्य बीमारी नहीं है। बल्कि समय पर उपचार से पूरी तरह ठीक होने वाला रोग है।

मुकंदलाल नेशनल कॉलेज में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की दिलवाई शपथ

रादौर । मुकंदलाल नेशनल कॉलेज रादौर में शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम लीगल लिटरेसी सेल एवं रेड रिबन क्लब की ओर से आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रो. नवीन भारद्वाज ने विद्यार्थियों को नशा न करने की शपथ दिलवाई। जिसमें नशा मुक्ति की जानकारी दी गई। इससे पूर्व प्रो. आशीष भल्ला ने विद्यार्थियों को नशे की बुराई के कुप्रभावों एवं दुष्परिणामों को विस्तार से बताया। नशे से व्यक्ति स्वयं पतन की ओर चला जाता है। इसके साथ उसका पूरा परिवार संकट में आ जाता है। समाज को हानि होती है एवं राष्ट्रीय के मानव संसाधन समाप्त हो जाते हैं जिससे एक देश को बड़ा नुकसान होता है। राष्ट्र निर्माण के लिए हमें नशे से दूर रहना होगा। इस अवसर पर पंकज, प्रो जय चंद विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नाले पर बनी स्लैप के सरिये बाहर निकलने से लोगों को हो रही परेशानी

रादौर। कस्बा रादौर की पटाक मारी में गंदे पानी के नाले पर बनी स्लैप से लोहे के सरिये बाहर निकले हुए है। जिससे स्थानीय लोगों के साथ साथ वहां से गुजरने वाले लोगों के लिए दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने कई बार इस समस्या को लेकर नपा कर्मचारियों व अधिकारियों को अवगत करवाया है। लेकिन समस्या का आज तक कोई समाधान नहीं हुआ। स्थानीय निवासी रामपाल, सुखदेव, शीशपाल, मनोज, सौरभ, संजीव, वीरभान आदि ने बताया कि नगरपालिका की ओर से नाले की सफाई करवाने के लिए ठेका दिया गया था। सफाई के दौरान ठेकेदारों के कर्मचारियों ने लोहे के सरिये मोड़कर सफाई करवाई दी जाती है। लेकिन नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा ये मोड़े गए लोहे के सरियों को ठीक नहीं किया गया। इस बारे में नपा जेई कपिल कांबोज ने कहा कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान करवा दिया जाएगा।

डीएलएसए सचिव ने किया बाल कुंज आश्रम व वृद्ध आश्रम का निरीक्षण

लाडवा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने साक्षी बाल कुंज आश्रम लाडवा कुरुक्षेत्र का विजिट किया। वहां पर उन्होंने बच्चों से बातचीत की और बच्चों के कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम लाडवा कुरुक्षेत्र का विजिट किया। वहां पर उन्होंने बुजुर्गों से बातचीत की और उनके कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया।

नगर निगम का जगाधरी के मुख्य बाजारों में अतिक्रमण हटाओ अभियान

दुकानों के पास अतिक्रमण किया तो होगी सख्त कार्रवाई :अमित

निगम के सफाई निरीक्षक अमित कांबोज ने अभियान का किया नेतृत्व

■ टीम को देखकर दुकानदारों ने खुद उठाया सारा सामान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा ट्विन सिटी में जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत निगम के सफाई निरीक्षक अमित कांबोज के नेतृत्व में जगाधरी के बाजारों में दुकानों के समक्ष सड़कों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया।

मौके पर निगम अधिकारियों ने दुकानदारों को समझाया कि यदि दोबारा दुकानों के समक्ष अतिक्रमण किया गया तो कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देश पर ट्विन सिटी के जोन एक में सुबह के वक्त सफाई निरीक्षक अमित कांबोज के नेतृत्व में सफाई निरीक्षक पंकज, सहायक सफाई निरीक्षक सचिन कांबोज व होमगार्ड के जवानों के साथ जगाधरी के चौक बाजार, इंदिरा मार्केट, पंसारी बाजार व शर्मा टेंट हाउस समेत विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाओ व जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान निगम की टीम ने दुकानदारों द्वारा सड़क पर रखा सामान उठाकर अंदर रखवाया। निगम की टीम को देखकर कई दुकानदारों ने स्वयं अपना सामान समेटना शुरू कर दिया। कुछ दुकानदारों ने सड़क तक सामान रखकर अतिक्रमण किया हुआ था।

यमुनानगर। जगाधरी के बाजार से अतिक्रमण हटवाते सफाई निरीक्षक अमित कांबोज व उनकी टीम। फोटो : हरिभूमि

सड़कों पर सामान रखने से लगता है जाम

निगम के सफाई निरीक्षक अमित कांबोज ने दुकानदारों को समझाया कि सड़कों पर अतिक्रमण करने से मार्ग संकरे हो जाते हैं। जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति बनती है। कुछ दुकानदार आधी सड़क तक सामान रखकर अतिक्रमण कर लेते हैं। जो की गलत है। ऐसा करने से सड़क पर जाम लग जाता है और आमजन को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए आमजन को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए कोई भी दुकानदार सड़कों पर अतिक्रमण न करें। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि इस बार सामान दुकानों के अंदर रखवाया गया है। यदि दुकानदारों द्वारा दोबारा अतिक्रमण किया गया तो सामान जब्त किया जाएगा और संबंधित दुकानदार को चालान किया जाएगा।

यमुनानगर। कस्बा रादौर के मेन बाजार में चाय बिस्कुट का लंगर लगाते दुकानदार। हरिभूमि

रादौर: माता शाकुंभरी देवी के जन्मदिवस पर लंगर लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

कस्बा रादौर के मेन बाजार में शनिवार को स्थानीय दुकानदारों ने माता शाकुंभरी देवी के जन्मदिवस पर चाय-बिस्कुट के लंगर का आयोजन किया गया। सैकड़ों लोगो ने लंगर में पहुंच प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर स्थानीय दुकानदार सौरभ गुप्ता, प्रवीन कुमार, अमित अवस्थी, विनोद कुमार बकाना, कार्तिक वर्मा, सुशील काम्बोज, सुनील वर्मा, राजेश वर्मा, विनोद वर्मा, सोनू कुमार, अनिल गुप्ता, संजीव, अरनव गुप्ता आदि का सहयोग रहा। दुकानदारों ने बताया कि माता शाकुंभरी देवी के जन्मदिवस पर

सैकड़ों लोगों ने लंगर में प्रसाद ग्रहण किया

हर वर्ष स्थानीय दुकानदारों की ओर से लंगर लगाकर प्रसाद वितरित किया जाता है। दुकानदार सुनील वर्मा ने बताया कि पोष पूर्णिमा को माता शाकुंभरी देवी का अवतरण हुआ था। उन्होंने बताया कि एक बार पृथ्वी पर भयंकर अकाल पड़ा जिससे सभी जीव-जंतु त्राहिमाम कर उठे। तब मां दुर्गा अपनी शक्तियों से पूरी धरती पर अन्न, फल और सब्जियां उत्पन्न कर जीवन का पोषण किया। इसी दिन को शाकम्भरी जयंती के रूप में मनाया जाता है।

नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी और पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नगर निगम प्रशासन द्वारा निगम क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण इलाकों में युद्धस्तर पर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी व पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने निगम क्षेत्र के गांव खेड़ा में 1 करोड़ 52 लाख 14 हजार रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। मौके पर मेयर सुमन बहमनी ने संबंधित अधिकारियों को विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के हर वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कराना है। ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि लंबे समय से गांव की

यमुनानगर। निगम क्षेत्र के गांव खेड़ा में विकास कार्यों का शिलान्यास करते हुए मेयर सुमन बहमनी व पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल। फोटो : हरिभूमि

गलियों की हालत खराब थी और बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या होती थी। गालियां और नालियां बनने से बारिश के पानी की निकासी सुचारू होगी। मेयर सुमन बहमनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और तय समय सीमा में कार्य को पूरा किया जाए। मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि नगर निगम जनता के टैक्स के पैसे से विकास कार्य कर रहा है। इसलिए हर कार्य पारदर्शिता और मजबूती के साथ होना चाहिए। पार्षद रीना रस्तोगी ने मेयर सुमन बहमनी और पूर्व मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव की गलियों और नालियों के नवनिर्माण से गांव की तस्वीर बदलेगी।

यह रहे मौजूद

नगर निगम सहायक अभियंता मुनेश्वर भारद्वाज ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर सभी गलियों का निर्माण किया जाएगा। शिलान्यास समारोह के साथ ही क्षेत्रवासियों में विकास कार्यों को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। मौके पर पूर्व विधायक बलवंत सिंह, निगम के कनिष्ठ अभियंता अमित कुमार, गगन संधू, समनदीप व त्रिलोचन सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान संदीप सैनी ने की

सावित्री बाई फुले के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

सैनी समाज के तत्वावधान में शनिवार को शहर के खेड़ा मोहल्ला में सावित्री बाई फुले की 196वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गांव टोपरा खुर्द के सरपंच देवेन्द्र सिंह सैनी मौजूदर है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान संदीप सैनी ने की। मुख्यातिथि देवेंद्र सैनी व उपस्थित लोगों ने सावित्री बाई फुले के चित्र पर श्रद्धांजलि भेंट की। उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर प्रधान संदीप सैनी ने बताया कि देश की पहली महिला शिक्षक, समाज सेविका सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित नायगांव नामक छोटे से गांव में हुआ था। वह भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापिका थी। इस अवसर पर मौर्य महासभा के जिला प्रधान संदीप सैनी व जिला प्रधान सतीश सैनी ने बताया कि जब फुले महज 9 वर्ष की थीं तो उनका विवाह 13 साल के ज्योतिराव फुले से कर दिया गया था। जिस समय सावित्रीबाई फुले की शादी हुई थी उस समय वह अनपढ़ थीं। इस अवसर पर सतीश सैनी ने बताया कि उनके पति तीसरी कक्षा में पढ़ते थे जिस समय सावित्रीबाई पढने का सपना देख रहीं थी। उस समय दलितों के साथ बहुत भेदभाव होता था। इस अवसर पर सरपंच देवेंद्र सिंह सैनी, नितिन सैनी, अंकुश सैनी, शुभम सैनी, मास्टर अमित सैनी,सूरज सैनी आदि उपस्थित रहे।

यमुनानगर कस्बा रादौर में सावित्री बाई फुले को नमन करते समाज के लोग।

जिला सचिवालय में अवैध खनन की रोकथाम को लेकर अधिकारियों की बैठक आयोजित

पंचायती भूमि पर अवैध खनन के लिए सरपंच होंगे जिम्मेदार: प्रीति

यमुनानगर । जिला सचिवालय में अधिकारियों की बैठक में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए दिशा निर्देश देतीं डीसी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिले में हो रहे अवैध खनन की रोकथाम के लिए लघु सचिवालय में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। उन्होंने अधिकारियों को जिले में अवैध खनन की गतिविधियों पर नजर रखने व निरंतर चेकिंग कर अवैध खनन पर रोक लगाए जाने के निर्देश दिए। उपायुक्त प्रीति ने अधिकारियों को जिले में लगाए गए नाकों को और सशक्त करने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में एसडीएम, डीएसपी, नोडल अधिकारी माइनिंग, डीएसपी इंफोर्समेंट व खनन अधिकारी की एक कमेटी का गठन किया गया। उन्होंने सिंचाई विभाग को अपने से संबंधित नदी तल क्षेत्रों में कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

एसडीएम को निर्देश दिए

एसडीएम को निर्देश दिए कि सभी सरपंचों को निर्देश जारी करें कि अवैध खनन की रोकथाम हेतु वह प्रशासन की सहायता करें अन्यथा उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उपायुक्त प्रीति ने प्रदूषण व सेल्स टैक्स विभाग को भी बंद पड़े स्टोन क्रेशरों, स्क्रीन प्लांटों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के आदेश दिए। यदि वह चलते हुए पाए जाते हैं तो उनका बिजली कनेक्शन कटवाने के निर्देश दिए। सभी विभागों को अवैध खनन,अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त वाहनों पर इकट्ठा कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

अवैध खनन रोकने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करें। अवैध खनन को रोकने के लिए नाकों पर सख्त कार्रवाई करें और नाकों की संख्या में वृद्धि की जाए। मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल, एसडीएम छछरौली रोहित कुमार, एसडीएम रादौर नरेन्द्र कुमार, सहायक खनन अभियंता डॉ. राजेश कुमार व सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता विनोद कुमार आदि मौजूद थे।

पंचायती जमीन पर अवैध खनन के लिए सरपंच होंगे जिम्मेदार

उपायुक्त प्रीति ने कहा कि पंचायती जमीन पर अवैध खनन के लिए सरपंच जिम्मेदार होंगे। जिम्मेदार ई.रवाना का मल्टीपज यूज रोका जाए।

स्पर्धा यूथ क्रिकेट क्लब की ओर से करवाई गई क्रिकेट प्रतियोगिता

क्रिकेट प्रतियोगिता में 16 गांवों की टीमों ने उत्साह से भाग लिया

युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों में भाग लेना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

यूथ क्रिकेट क्लब की ओर से गांव बरसान में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्यतिथि के रूप में इनैलो हल्का प्रधान सर्वप्रिय जठलाना मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने रिबन काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में 16 गांवो की टीमों ने भाग लिया।

मौके पर हल्का प्रधान सर्वप्रिय जठलाना ने कहा कि युवाओं को खेलों में जरूर हिस्सा लेना चाहिए। खेलों में हिस्सा लेने से युवा नशे जैसी बुराईयों से दूर रहते है। खेलों को बढ़ावा देने के इस प्रकार के आयोजन अन्य गांवो में भी किए जाने चाहिए। ताकि ज्यादा से ज्यादा युवा खेलों में हिस्सा ले। उन्होंने कहा कि युवाओ को खेलो मे हिस्सा लेकर उसे अपने जीवन का जरूर हिस्सा बनाना चाहिए। हर युवा को किसी न किसी खेल मुकाबले में जरूर हिस्सा लेना चाहिए। खेलों में हिस्सा लेने से जहां अनुशासन की भावना बढ़ती है। वहीं शारीरिक व मानसिक विकास भी होता है। खेलों में आपसी प्रेम प्यार व भाईचारे की भावना बढ़ती है। उन्होंने कहा कि इनेलो शासनकाल में चौ. ओम प्रकाश चौटाला ने खेलो को बढ़ावा देने के लिए खेल नीति बनाई थी। जिससे प्रदेश में युवाओं में खेलों के प्रति आकर्षण बढ़ा था।

यमुनानगर। गांव बरसान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करते मुख्यातिथि सर्वप्रिय जठलाना। फोटो : हरिभूमि

मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया

क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मुख्यअतिथि ने सम्मानित किया। इस अवसर पर संचित संधू, बलिन्द्र जठलाना, गौरव सिंह, पंकज सिंगला, श्याम मेहता, शुभम, सलिन्द्र नंबरदार, कुनाल कांबोज, मोहित कांबोज, संजीव, मोहित, साहिल, अनुप, अक्षित, सुमित कोच, विशू कांबोज आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

धूमधाम से मनाया मां शाकंभरी का जन्मोत्सव

थानेसर। मां शाकंभरी देवी सेवक मंडल द्वारा नरकातारी रोड स्थित मां शाकंभरी देवी मंदिर में शनिवार को मां शाकंभरी जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मीडिया कॉर्डिनेटर तुषार सैनी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। अध्यक्ष अशोक शर्मा बाली ने समस्त भक्तजनों के साथ मुख्यातिथि का स्वागत किया। सर्वप्रथम मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं ने अपनी कुलदेवी मां शाकंभरी देवी, मां शताक्षी देवी, मां भ्रांबरी देवी, मां भीमा देवी और भूरा देव की मूर्तियों को शाक-सब्जियों और फलों की मालाओं से सजा कर श्रृंगार किया। तत्पश्चात आचार्य पं.अजय मिश्र एवं आशुतोष मिश्र ने हवन करवाया, जबकि मंदिर के पुजारी पंडित रमेश चंद्र बृजवासी ने श्रद्धालुओं को मां शाकंभरी महात्म्य सुनाया।

जिंदल हाउस में किया मरीजों का फॉलो-अप

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में आम नागरिकों को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा जिन्दल हाउस, कुरुक्षेत्र में जरूरतमंद मरीजों का फॉलो-अप किया गया और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। मोबाइल मेडिकल यूनिट में मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए डॉ. पूर्णमल ने बताया कि आज 78 लोगों को लाभान्वित किया गया। जांच के उपरांत सभी मरीजों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध करवाई गईं।

एनएसएस के छात्रों ने वृद्धों से की बातचीत

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भगवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरूक्षेत्र में चल रहे एनएसएस शिविर के चौथे दिन की शुरूआत स्वयंसेवकों द्वारा लक्ष्य गीत एवं प्रार्थना के साथ की गई। इसके उपरांत सभी स्वयंसेवकों ने योगासन कर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शारीरिक आचार्य राजीव उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को एन एस एस के माध्यम से सेवा का भाव जागृत किया उन्होंने बताया कि आप स्वयं एक क्षेत्र का चयन करें और उस क्षेत्र में जो समस्याएं है उसका समाधान कैसे हो सके उसके बारे में चिंतन करें और समाधान ढूंढने का प्रयास करें। इसके उपरांत सभी विद्यार्थी आज प्रेरणा वृद्ध आश्रम गए वहां जाकर उन्होंने वहां पर रहने वाली बुजुर्गों के साथ बातचीत की।

कुरुक्षेत्र को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की बनाई जा रही योजनाएं : डीसी

3 माह में ड्रीम प्रोजेक्ट 'एलिवेटेड रेलवे ट्रैक' की मिलेगी सौगात

म्हारी सड़क एप पर अपलोड करें समस्या, समाधान का मिलेगा फीडबैक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार कुरुक्षेत्र को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की योजनाओं पर काम कर रही है, ताकि देश के कोने-कोने से लोग यहां पर निरंतर आएं। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र को पर्यटन के साथ-साथ धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी विकसित किया जाएगा। इसके लिए समाजसेवी धार्मिक संस्थाओं के साथ-साथ आमजन की सोच और सुझाव को भी सुमार किया जाएगा। अहम पहलू यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच है कि कुरुक्षेत्र में देश विदेश से ज्यादा से ज्यादा पर्यटक व श्रद्धालु पहुंचे। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित पत्रकार नववर्ष मिलन समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान पत्रकारों से सुझाव भी लिए गए। इस मौके पर सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र। लघु सचिवालय के सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा। फोटो : हरिभूमि

सड़कों को विभागों के अनुसार किया मैप

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने नव वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने म्हारी सडक नाम से एक एप को लॉच किया हुआ है। इस एप पर किसी भी सड़क की समस्या को फोटो के साथ अपलोड कर सकते हैं। इसके साथ ही 50 शब्दों में अन्य जानकारी भी डाल सकते हैं। एप पर प्रदेश की सभी सड़कों को विभागों के अनुसार मैप किया गया है। उन्होंने कहा कि इस एप पर शिकायत का समाधान करने के बाद रिपोर्ट व फीडबैक दिया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय की समीक्षा टीम शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लेगी। उपायुक्त ने कहा कि कहा कि सरकार व जिला प्रशासन कुरुक्षेत्र को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने पिछले लंबे समय से शहर में अभियान चलाया हुआ है, जिसे आगे भी निरंतर बनाकर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रह्मसरोवर के क्षेत्र की स्वच्छता का जिम्मा अब नगर परिषद के पास है। पहले इस क्षेत्र में सफाई की व्यवस्था केडीबी के पास रहती थी। इसी बात को देखते हुए अब सफाई का जिम्मा नगर परिषद को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि हुडा के सेक्टरों की निरंतर सफाई के लिए आगामी 7 दिन में एजेंसी को जिम्मा सौंपा जाएगा।

शहर में हॉप ऑन हॉप सिटी बस सेवा भी होगी शुरू

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि शहर में इलेक्ट्रिक बसों को शुरू किया गया है। इसका शेड्यूल व समय सारणी भी जारी कर दी गई है। इस इलेक्ट्रिक बस सेवा के सफल होने के बाद शहर में हॉप ऑन हॉप सिटी बस सेवा को भी शुरू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जनहित की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। इन योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार किया जाए, ताकि योग्य व्यक्ति इसका लाभ उठा सके।

स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए नागरिकों को करें जागरूक

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जल्द ही स्वच्छ सर्वेक्षण प्रदेश में होने जा रहा है। प्रदेश के अन्य शहरों की तुलना में कुरुक्षेत्र स्वच्छता की दृष्टि से काफी अग्रणी है। प्रदेश व देश में रैंकिंग के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयासों की जरूरत है। इसमें नागरिकों की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि जब भी सर्वेक्षण के लिए टीम शहर में आएगी तब टीम द्वारा नागरिकों से फीडबैक लिया जाएगा। इस दौरान मीडिया, दुकानदारों व आमजन से बातचीत की जाएगी। बातचीत के दौरान नागरिकों को टीम के सामने व अन्य एप पर अपना पॉजिटिव रिस्पांस देना होगा। करीब 30 प्रतिशत अंक नागरिकों की फीडबैक पर निर्भर करता है।

कई बड़ी योजनाओं पर किया जा रहा कार्य

इस वर्ष 2026 में आगामी तीन माह में कुरुक्षेत्र के लोगों का ड्रीम प्रोजेक्ट एलिवेटेड रेलवे ट्रैक पूरा हो जाएगा। इसे प्रोजेक्ट के शुरू होने के बाद नागरिकों को पांच फाटकों से निजात मिलेगी। इसके अलावा सरकार लोगों को बाइपास जैसे प्रोजेक्ट की भी सौगात देगी। इस प्रोजेक्ट पर सकारात्मक रूप से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग की तरफ से कई बड़ी योजनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। इन योजनाओं का असर आगामी दो तीन माह में देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 का अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 5 दिसंबर से 25 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा।

मानसिक शांति पाने के लिए अध्यात्म की शरण में आना जरूरी : स्वामी ज्ञानानंद

कुरुक्षेत्र। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने श्रद्धालुओं को आर्शीवचन देने हुए कहा कि लौकिक कमाई भौतिक सुख साधन तो दे सकती है लेकिन मानसिक शांति नही दे सकती। मानसिक शांति पाने के लिए अध्यात्म की शरण में आना जरूरी है। गीता मनीषी गत देर रात्रि गीता ज्ञान संस्थानम् स्थित श्री कृपा बिहारी मंदिर परिसर में दीक्षित एवं समर्पित परिवारों की नव वर्ष के उपलक्ष में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक का शुभारंभ गीता पाठ से किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अपने आशीर्वचन में गीता मनीषी ने कहा कि नववर्ष में ईर्ष्या एवं कडवाहट को छोड़कर प्रभु के नाम का जाप, विश्वास और सदभावनाओं के साथ प्रवेश करना चाहिए। उन्होने कहा कि आने वाली पीढी को सनातन परंपराओं से जोड़े रखना जरूरी है। हमें आसुरी आदतों को छोड़ना होगा। कटुता, कडवाहट और ईर्ष्या को छोड़ना होगा। संसार का व्यवहार हमारे प्रति तभी अच्छा होगा जब हम अच्छा व्यवहार करेंगें। गीता मनीषी ने मंत्रजाप और गीता पाठ पर बल देते हुए कहा कि दुनिया का पवित्र ग्रंथ गीता मानव को जीने की कला सीखाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को गीता पाठ करना चाहिए। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानांनद ने जानकारी दी कि श्री कृपा बिहारी जी के मंदिर में वृंदावन राधा बल्लभ मंदिर की तर्ज पर खिचड़ी उत्सव आयोजित किया जाएगा। प्रातः साढे 6 से साढे 7 बजे तक खिचड़ी उत्सव का आयोजन होगा। गीता मनीषी ने जानकारी दी कि जीओ गीता द्वारा आज से गीता चिंतन शिविर का शुभारंभ किया जा रहा है जोकि सात जनवरी तक चलेगा। इस शिविर में हरियाणा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली सहित अनेक प्रदेशों के दो सौ से अधिक विद्वान भाग ले रहे हैं। इस पांच दिवसीय शिविर में गीता जी के हर पहलु पर चिंतन किया जाएगा।

कुरुक्षेत्र। योग करते शिक्षकगण। फोटो : हरिभूमि

शिविर में आसन, योग और प्राणायाम करवाए

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। दक्षता वर्ग का आरंभ गीत द्वारा किया गया। इसके पश्चात प्रातः स्मरण, एकात्मता मंत्र एवं एकात्मता स्त्रोत के श्लोकों का उच्चारण किया गया। आचार्या कांता द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने के लिए तथा मन की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए आसन, योग व प्राणायाम करवाए गए। योग के पश्चात वंदना सत्र रहा। माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर वंदना सत्र का प्रारंभ किया गया। बौद्धिक सत्र शिल्पा का रहा। उन्होंने बताया कि शारीरिक रूप से स्वस्थ होना ही अच्छा स्वास्थ्य नहीं है बल्कि मानसिक एवं भावनात्मक रूप से स्वस्थ होना भी आवश्यक है, मानसिक कल्याण के लिए हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ होना होगा क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विकास होता है, इसके लिए हमें अपने खानपान पर ध्यान देना होगा और पौष्टिक भोजन लेना होगा। हम सभी को स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मन के लिए नियमित रूप से प्राणायाम एवं व्यायाम करना चाहिए। आचार्या पिंकी ने नैतिकता पर आधारित एक ज्ञानवर्धक कहानी सुनाई।

जयभगवान शर्मा ने लाखों के कार्यों का किया लोकार्पण

छज्जूपुर को विकास की बड़ी सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

नववर्ष के शुभ अवसर पर विधानसभा पिहोवा के गांव छज्जूपुर को विकास की बड़ी सौगात मिली। भाजपा के वरिष्ठ नेता पंडित जयभगवान शर्मा डी.डी. गांव छज्जूपुर पहुंचे, जहां उन्होंने लाखों रुपये की लागत से कराए गए विकास कार्यों का लोकार्पण कर ग्रामीणों को समर्पित किया। गांव के सरपंच गुरुमैहर की ओर से आयोजित विशेष कार्यक्रम में पंडित जयभगवान शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर सरपंच, ग्राम पंचायत सदस्यों व ग्रामीणों ने फूल मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

ग्रामीणों को मिलेगा लाभ

इस दौरान पंडित जयभगवान शर्मा डी.डी. ने गांव में आंगनवाड़ी केंद्र की मरम्मत कार्य तथा डेरा नो निहाल सिंह की फिरनी की सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत रूप से लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों से बच्चों, महिलाओं व ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंडित जयभगवान शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पिहोवा विधानसभा क्षेत्र में निरंतर और तेज गति से विकास कार्य किए जा रहे हैं।

शिक्षा ही उन्नति का दरवाजा : सुमन बहमनी

- अंबेडकर भवन में मनाई माता सावित्री बाई फुले की जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नगर निगम यमुनानगर की मेयर सुमन बहमनी ने कहा है कि शिक्षा ही उन्नति का दरवाजा है। शिक्षा के बलबूते पर ही कोई मुकाम हासिल किया जा सकता है। सावित्री बाई फुले नारी जाति की उत्थान की नींव है। जिन्होंने कष्ट सहकर लड़कियों की शिक्षा की शुरूआत की थी। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए अनेक कष्ट झेले और महिलाओं को शिक्षा के प्रति प्रेररित किया। वे सदैव अमर रहेंगी। हम सब का दायित्व है कि हम माता सावित्री बाई फुले द्वारा शुरू किए गए मिशन को आगे बढाएं। वे शनिवार को सेक्टर 8 स्थित अंबेडकर भवन में माता सावित्री बाई फुले की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि माता सावित्री बाई फुले भारतीय सामाजिक क्रांति की वह अमर ज्योति है जिन्होंने अज्ञान, जातिवाद और पितृ सत्ता के घोर अंधकार में शिक्षा का दीप प्रज्ज्वलित किया।

अतिथियों को सम्मानित किया

कार्यक्रम में रिटायर जिला शिक्षा अधिकारी संतोष ग्रोवर, डा सुनीता सरोहा व डा पूनम बागी ने भी अपने विचार रखे। अंबेडकर भवन की ओर से डा रामभक्त लांग्यान व अन्य पदाधिकारियों ने मुख्यातिथि व अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उप प्रधान एसपी सरोहा, डा कुलदीप सिंह एडवोकेट, महासचिव लख्मी चंद, कोषाध्यक्ष रामकुमार, सचिव श्याम लाल, कार्यकारिणी सदस्य राजपाल, केसी रंगा, जीत राम, जय लाल, योगराज, हरि सिंह, रामस्वरूप, दर्शन सिंह, संतोष बाला आदि मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र। बूस्टर किट वितरित करते ट्रस्ट के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सेवा ट्रस्ट यूके भारत ने मनाई पहली महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले की जयंती

कुरुक्षेत्र। सेवा ट्रस्ट यूके भारत के जिला कोआर्डिनेटर पवन मित्तल ने बताया कि भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, महान समाज सेविका एवं नारी सशक्तिकरण की प्रेणता सावित्री बाई फुले जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन, शिक्षा के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध अलख जगाने वाला उनका संघर्ष और समर्पण सदैव वंदनीय रहेगा। ट्रस्ट लगातार सामाजिक गतिविधियों में भाग लेता रहता है। आज इसी कड़ी में कुष्ट आश्रम में कार्यक्रम किया जा रहा है। उन्होने कहा कि नव वर्ष यहां रहने वाले सभी परिवारजनों के जीवन में स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, यश-वैभव लाए, यही कामना करता हूँ। उन्होंने वहा रहने वाले सभी लोगों को उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की व अपनी को स्पॉन्सर डाबर इंडिया के सहयोग से सभी को बूस्टर गिफ्ट पैक दिए गए जिसमें टूथपेस्ट, टूथब्रश, शैम्पू, नारियल तेल, शहद, खांसी से बचाव के लिए तुलसी टेबलेट आदि समान दिया गया।

यातायात व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन व लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी : मेहता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि लाडवा शहर में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना प्रशासन के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी वाहन चालक निर्धारित गति सीमा का पालन करें, दोपहिया वाहन पर हेलमेट एवं चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें तथा नशे की हालत में वाहन न चलाएं। पैदल यात्रियों, बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षित मार्ग दें और ट्रैफिक नियमों का पूर्णतः पालन करें। एसडीएम अनुभव मेहता ने अभिभावकों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे अपने नाबालिग बच्चों को बिना लाइसेंस वाहन न चलाने दें। कोहरे, धुंध एवं रात के समय वाहन चलाते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए सफर करें।

आमजन से अपील

अति जरूरी होने पर ही घरों से वाहन लेकर निकलें और हो सकते तो ज्यादा से ज्यादा बसों में सफर करें। उन्होंने शहर के सभी दुकानदारों व व्यापारियों से अनुरोध करते हुए कहा कि वे दुकानों का सामान, रेहड़ी-फड़ी या अन्य वस्तुएं सडक, रास्ते या फुटपाथ पर न रखें और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। सडक व फुटपाथ अतिक्रमण से आमजन को आवागमन में कठिनाई होती है और इससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ती है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी व दूसरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित सडकें, सुचारू यातायात एवं स्वच्छ, सुव्यवस्थित लाडवा के निर्माण में अपना योगदान दें।

कुरुक्षेत्र। कार्यशाला में मौजूद शिक्षकगण। फोटो : हरिभूमि

महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए कार्यशाला का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल ने विभिन्न स्कूलों के 60 समर्पित शिक्षकों के लिए /"स्टोरीटेलिंग एंड पेडागॉजी/" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र के विषय विशेषज्ञा डॉ. सुरिंदर कौर सैनी और श्रीमती नेहा सचदेवा ने इस सत्र का संचालन किया, जो अत्यधिक सफल रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुआ, जिसके बाद प्रधानाचार्या प्रतिमा शर्मा ने अतिथियों और विषय विशेषज्ञों का स्वागत किया। इस इंटरएक्टिव सत्र में प्रतिभागियों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया गया, जिसमें शिक्षण में कहानी कहने के महत्व को उजागर किया गया और शिक्षकों को अपने कौशल को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

लाडवा। मरीज की जांच करते हुए चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

नवीन जिन्दल फाउंडेशन ने भूतमाजरा और बडौंदा में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व दवाइयां उपलब्ध कराई

लाडवा। सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट लगातार जनसेवा का कार्य कर रही है। इसी कड़ी में यह मेडिकल यूनिट लाडवा हल्के के गांव भूतमाजरा और बडौंदा पहुंची, जहां ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, उपचार व दवाइयों का लाभ उठाया। मोबाइल मेडिकल यूनिट में चिकित्सकों की टीम ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उनकी स्थिति के अनुसार परामर्श दिया, साथ ही जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क प्रदान की गईं तथा रक्त और मूत्र जांच की सुविधाएं भी मौके पर ही उपलब्ध करवाई गईं। इस बारे में जानकारी देते हुए डॉ. पूर्णमल ने बताया कि दोनों गांवों में आयोजित शिविर के दौरान 94 ग्रामीणों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई, जबकि 6 लोगों के रक्त एवं मूत्र परीक्षण किए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर सभी मरीजों को उपयुक्त चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयां निःशुल्क दी गईं। सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का उद्देश्य है कि लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वस्थ कुरुक्षेत्र अभियान को मजबूती से चलाया जाए।

कार्यक्रम गुरुकुल कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

खाद्य सुरक्षा के बाद अगला लक्ष्य जहरमुक्त पोषक खाद्यान्न : चौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

आज पूरी दुनिया जहर-मुक्त और रसायन-मुक्त भोजन की ओर बढ़ रही है। प्राकृतिक खेती केवल एक खेती पद्धति नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है। ये टिप्पणी हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान ने की। वे आज गुरुकुल कुरुक्षेत्र में क्षेत्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केंद्र, गाजियाबाद के तत्वावधान में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय क्षेत्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि किसानों और कृषि विज्ञानियों को संबोधित कर रहे थे। गुरुकुल पहुंचने पर केंद्रीय मंत्रालय की ओर से निदेशक डॉ. हरीश श्रीवत्स और राज्य सरकार की तरफ से कृषि उपनिदेशक डॉ. करम चंद ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि प्राकृतिक खेती से न केवल भूमि की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि उपभोक्ता को भी शुद्ध और पौष्टिक आहार प्राप्त होता है। उन्होंने कहा की खाद्य सुरक्षा का लक्ष्य हासिल कर चुके भारत के समक्ष अब जहर मुक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराना अगला बड़ा लक्ष्य है। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीव्र गति से कार्य आगे बढ़ रहा है। डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने बढ़ती बीमारियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज समाज में अनेक गंभीर बीमारियों की एक बड़ी वजह रासायनिक खाद और कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग है। यदि हमें स्वस्थ समाज का निर्माण करना है तो जैविक एवं प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर अपनाना होगा। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. श्रीवत्स, रीजनल डायरेक्टर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने अपने संबोधन में कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी, जल और पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम है।

कुरुक्षेत्र। समारोह में मंचासीन हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान व अन्य। फोटो : हरिभूमि

किसानों को किया जागरूक

पद्मश्री डॉ. हरिओम, सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने अपने संबोधन में कहा कि प्राकृतिक खेती वैज्ञानिक दृष्टि से प्रमाणित, टिकाऊ और भविष्य की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि अनुसंधानों से यह सिद्ध हुआ है कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की जैविक गुणवत्ता में सुधार होता है, जल संरक्षण होता है तथा फसल की उत्पादकता लंबे समय तक बनी रहती है। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस दिशा में निरंतर शोध एवं तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम में किशोर शेड्ज, असिस्टेंट डायरेक्टर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, विवेक चंद्र पांडे, टेक्निकल असिस्टेंट, श्री विशाल शर्मा, डॉ. बलजीत सहारण, वैज्ञानिक, हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, हिसार, राम निवास, व्यवस्थापक, गुरुकुल, कुरुक्षेत्र, डॉ नीलम छिकारा, डॉ करम चंद, डॉ संजय जाखड़, डॉ जितेंद्र खैरा सहित बड़ी संख्या में किसान, कृषि विशेषज्ञ एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने प्राकृतिक खेती को अपनाने और इसे गांव-गांव तक पहुंचाने पर बल दिया।

कड़ाके की ठंड से कांपा जीवन, घरों में कैद होने को मजबूर लोग

अंबाला। ठंड के तीखे तेवरों के आगे जन जीवन बेहद अस्त व्यस्त हो गया। खासकर पिछले दो दिनों से चल रही शीतलहर की वजह से जीवन पूरी तरह से ठहर गया। इसी वजह से लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हैं। बाहर निकलते ही ठिठुरन भरी ठंड से कंपकंपी छूट रही है। शुक्रवार के बाद शनिवा को भी ठिठुरन भरी ठंड रही। इसका असर बाजार पर भी दिखाई दिया। ठंड के कारण बाजार से रौनक गायब रही। शुक्रवार को तो इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रिकॉर्ड किया गया। ठंड बढ़ने से दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस कम रिकॉर्ड किया गया था।

100 मीटर रेस व डिस्कस थ्रो में अंबली की गीता बनी विजेता

- स्पोर्ट्स मीट में ग्रामीण महिलाओं ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

शहजादपुर। विजेताओं के साथ भाजपा नेत्री ममता सैनी व रेस में हिस्सेदारी करती प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

महिला एवं बाल विकास विभाग नारायणगढ़ परियोजना द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स मीट का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी की पत्नी ममता सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सीडीपीओ अरविंदर कौर ने मुख्य अतिथि ममता सैनी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मीट में महिलाओं एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रतिभागियों की आयु के अनुसार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 30 वर्ष से कम आयु की लड़कियों एवं महिलाओं के लिए साइकिल रेस, 300 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ आयोजित की गई। 30 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए 100 मीटर दौड़, म्यूजिकल चेयर एवं डिस्कस थ्रो प्रतियोगिताएं करवाई गईं। प्रतियोगिताओं में साइकिल रेस में नम्रता (गांव लौटों), 100 मीटर दौड़ में गीता (अंबली), 300 मीटर दौड़ में निधि (गधोली), म्यूजिकल चेयर में रेणुका तथा डिस्कस थ्रो में गीता (अंबली) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि ममता सैनी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सैनी ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के खेल आयोजनों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ महिला ही सशक्त समाज की नींव होती है। सीडीपीओ अरविंदर कौर ने मुख्यातिथि ममता सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि विभाग का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वस्थ, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। इस तरह के आयोजन महिलाओं को नियमित रूप से खेल एवं फिटनेस से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इस दौरान डीपीई सचिन सैनी, पीटीआई रविंद्र कुमार, स्वास्थ्य विभाग से एमपीएचडब्ल्यू सुनीता रानी, एमपीएचडब्ल्यू (मेल) कटार सिंह, सुखबीर सिंह के साथ सहायक सीमा देवी, सुपरवाइजर अनु, सुपरवाइजर सुचित्रा सैनी, सुपरवाइजर राजिंदर कौर, सुपरवाइजर नेहा, प्रथम टीम से हरदीप कौर, डाटा एंट्री ऑप्रेटर मोनिका, कार्यालय से संजीव एवं रिशु कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंबाला: 200 से ज्यादा परिवार बनेंगे करोड़पति

प्रति एकड़ किसानों को मिलेंगे 1.55 करोड़ रुपये, सीएम से किसानों की मुलाकात के बाद बनी सहमति

जिले में आईएमटी के लिए 1000 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण

- 400 से ज्यादा किसान आईएमटी के लिए दो हजार से ज्यादा एकड़ जमीन देने के लिए कर चुके हैं आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

सीएम नायब सैनी की किसानों से मुलाकात के बाद अब अंबाला शहर में इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) स्थापित करने का रास्ता साफ हो गया है।

पहले जमीन के रेट को लेकर सहमति बनती नहीं दिख रही थी। मगर अब सीएम ने आईएमटी के लिए अधिग्रहण होने वाली जमीन का प्रति एकड़ 1.55 करोड़ रुपये तय कर दिया है। इस पर ज्यादातर किसानों ने भी सहमति जता दी है। पहले चरण में आईएमटी के लिए 1000 एकड़ जमीन अधिग्रहण की जाएगी। पिछले तीन साल से जमीन के रेट को लेकर किसानों और सरकार के बीच बातचीत चल रही थी। इस बातचीत का सबसे ज्यादा फायदा किसानों को हुआ। तीन साल पहले आईएमटीम के लिए अधिग्रहण होने वाली जमीन की एवज में प्रति एकड़ 80 से 90 लाख रुपये की मांग कर रहे थे जोकि अब बढ़कर 1.55 करोड़ रुपये हो गया है।

भूमि अधिग्रहण करने की प्रक्रिया जल्द होगी प्रारंभ

आईएमटी के लिए पहले चरण में 1000 एकड़ जमीन अधिग्रहण होगी। यह जमीन नग्गल व आसपास के 200 किसान परिवारों के पास हैं। कुछ समय पहले किसानों ने ई-भूमि पोर्टल पर अपनी जमीन देने के लिए आवेदन किया था। किसानों और सरकार के बीच में तीन साल तक बातचीत का रास्ता तैयार करने वाले भड़ी गांव के एग्रीगेटर परमजीत सिंह ने बताया कि करीब 200 किसान परिवारों से जुड़ी यह जमीनें हैं। सभी किसानों ने सरकार के रेट पर सहमति जता दी है तो जल्द सरकार के पक्ष में रजिस्ट्री कराने का काम शुरू होगा, इसके बाद एचएसआईआईडीसी के अधिकारी आईएमटी को लेकर काम शुरू करेंगे। यहां पर 900 एकड़ में एक जमीन का पूरा टक है। बता दें कि इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए प्रदेश सरकार के आदेशानुसार एचएसआईआईडीसी ने किसानों से जमीन उपलब्ध करवाने के लिए ऑफर किया। इस ऑफर के बाद अंबाला शहर के गांव नग्गल के किसानों ने करीब 300 एकड़, नडियाली के करीब 513 एकड़ और गांव खैरा के किसानों की लगभग 23 एकड़ जमीन देने के लिए आवेदन किया था। लगभग 426 किसानों ने 2076 एकड़ जमीन आईएमटी परियोजना के लिए ऑफर की है। गौरतलब है कि आईएमटी को लेकर सरकार ने उपायुक्त की जिम्मेदारी लगाई थी कि वह मामले में समाधान निकालें। पिछले वर्ष पूर्व उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया था कि प्रशासन की तरफ से जमीन का कलेक्टर रेट 34 लाख रुपये प्रति एकड़ बताया था लेकिन किसानों ने जमीन के भाव ज्यादा मांगे थे। अब सहमति के बाद जल्द ही आईएमटी के लिए जमीन अधिग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

प्रति एकड़ 2 करोड़ थी मांग

इससे पहले किसानों ने आईएमटीम के लिए अधिग्रहण होने वाली जमीन के प्रति एकड़ दो करोड़ रुपये मांगे थे। यह मांग पिछली बार हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) और किसानों के बीच बैठक के दौरान हुई थी। हालांकि मोलभाव होने के बाद किसानों ने आखिरी रेट 1.80 करोड़ रुपये प्रति एकड़ दिया था। अब सरकार और किसानों दोनों ने बीच का रास्ता निकाल लिया है, ऐसे में सरकार को 1.55 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से किसानों को भुगतान करना होगा।

नगर निगम चुनाव

एससी-बीसी उम्मीदवारों के लिए छह वार्ड आरक्षित

- महिलाओं को चार वार्डों में चुनाव लड़ने का मौका
- सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए दस वार्ड आरक्षित, वार्डों क आरक्षण के साथ ही संभावित उम्मीदवारों ने चुनाव की तैयारी शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर नगर निगम चुनाव के लिए शनिवार को वार्डों के आरक्षण काम पूरा हो गया। इस बार अनुसूचित जाति के तीन उम्मीदारों के लिए वार्ड रिजर्व किए गए हैं दो वार्ड बीसी ए व बी के लिए आरक्षित किया गया है। ड्रा के जरिए अनुसूचित जाति उम्मीदवारों के लिए वार्ड नंबर 2, 7 व 10 को आरक्षित किया गया है। जबकि वार्ड नंबर 4, 11 व 20 बीसी ए व बी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित किए गए हैं। महिलाओं के लिए वार्ड नंबर 6,8,9 व 14 को आरक्षित किया गया है। इसी तरह वार्ड नंबर 1, 3, 5, 12,13,15, 16,17,18 व 19 को सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित किया गया है।

ऐसे तय किए वार्ड व एरिया आरक्षित

वार्ड-1 : डंगडेहरी, लोहगढ़, मानकपुर, डडियाना, देवीनगर, छोटी घेल, बड़ी घेल।
वार्ड-2 : सद्दोपुर, काकरू, मंडौर, गुरुनानक नगर, दशमेश नगर, सुलतानपुर, सुंदरनगर।
वार्ड-3 : टैगोर गार्डन, जग्गी गार्डन, आशा सिंह गार्डन, सेठी इंक्लेव, बलदेव नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी।
वार्ड-4 : पुराना क्षेत्र बलदेव नगर, पारसराम नगर, पुराना क्षेत्र बलदेव नगर टू, सुभाष नगर, सेठी गार्डन, प्रताप नगर, जसमीत नगर, वीटा इंक्लेव।
वार्ड-5 : मनमोहन नगर, शिवपुरी कॉलोनी, बसंत विहार, जग्गी कॉलोनी फेस टू, जग्गी कॉलोनी फेस तीन।
वार्ड-6 : रामनगर, जसमीत नगर, शहजादपुर हाउस, नवनीत नगर, इंद्र नगर।
वार्ड-7 : जोगीवाड़ा, पुरानी बकरा मंडी, खुरमपुर माजरी, हरि पैलेस रोड के पास वाला क्षेत्र।
वार्ड-8 : गुरुनानकपुरा , काजीवाड़ा, खतरवाड़ा, पक्का बाग, पुराना क्षेत्र जगाधरी गेट, ठाकुरद्वारा, पंचायत भवन, रामपुरा मोहल्ला, महावीर पार्क के पास वाला क्षेत्र, रामबाग वाला क्षेत्र।
वार्ड-9 : गोविंद विहार, घासमंडी, चरखी मोहल्ला, टाकी रोड, पुराना क्षेत्र अनाज मंडी, छोटा बाजार, कोतवाली सराय।
वार्ड-10 : मनमोहन नगर एक्सटेंशन क्षेत्र, नई सब्जी मंडी, कमल विहार, नरेश विहार, निर्मल विहार, शालीमार कॉलोनी, हैफेड गोदाम वाला क्षेत्र।
वार्ड-11 : कलाल माजरी, इंद्रपुरी कॉलोनी, बांस मोहल्ला, नई बस्ती, पुराना शालीमार मार्केट वाला क्षेत्र, पुराना कांगेस भवन क्षेत्र, मोती नगर।
वार्ड-12: सेक्टर-7, जिला नागरिक अस्पताल के पास क्षेत्र, मनाली हाउस, सेंटल जेल के पास सरकारी क्वार्टर, विवेक विहार, जवाहर नगर, मथुरा नगर, कबीर नगर, सेक्टर-एक। वार्ड-13 : धूलकोट, वीटा विहार, सेना कॉलोनी, किंग विहार, गोवर्धन नगर, विराट नगर, फ्रैंडस कॉलोनी, जंडली, करतार नगर। वार्ड-14 : मॉडल टाउन, कांशीनगर, विकास विहार, आठ मरला जैन नगर, कैलाश नगर, प्रीत नगर।
वार्ड-15-निजामपुर, कालूमाजरा, लिहारसा, नया गांव, रणजीत नगर, मोती नगर वाला क्षेत्र।
वार्ड-16-रामदास नगर, विष्णु विहार, सिंघावाला, शिवालिक कॉलोनी, अशोक विहार, गणेश विहार, नसीरपुर, दुर्गानगर का क्षेत्र, लाजपत नगर, रतनगढ़ कालोनी।
वार्ड-17-शास्त्री नगर, बादशाही बाग, महिंद्र नगर, मिलाप नगर, शारदा नगर, नई अनाज मंडी मार्केट।
वार्ड-18-सेक्टर-8, सेक्टर-9 और सेक्टर-10।
वार्ड- 19 : लक्ष्मी नगर, बसंत कॉलोनी, पटेल नगर, प्रीत कॉलोनी, शंकर कॉलोनी, कांवला, वाटिका, सैनिक विहार, इंद्रा कॉलोनी, जेजे कॉलोनी।

सभी वार्डों का चहुंमुखी विकास मेरी मुख्य प्राथमिकता : रजत

- गली के निर्माण कार्य का शुभारंभ करने पर बोले नगरपालिका अध्यक्ष मलिक
- स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक बराड़ा का निर्माण करना ही एक मात्र लक्ष्य

बराड़ा। गली का उद्घाटन करते हुए चेयरमैन रजत मलिक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

नगर पालिका के अध्यक्ष रजत मलिक ने कस्बे में चल रहे विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए जेआर पब्लिक स्कूल वाली गली का विधिवत उद्घाटन किया। यह नवनिर्मित गली अंकुश के घर से लेकर संदीप मोंटी के घर तक बनाई गई है जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। उद्घाटन अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रजत मलिक ने कहा कि कस्बे का चहुंमुखी विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका प्रशासन का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि "हमारा लक्ष्य केवल गलियों और सड़कों का निर्माण करना नहीं है, बल्कि एक स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक बराड़ा का निर्माण करना है। जनता ने जिस विश्वास के साथ हमें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर हम पूरी ईमानदारी से खरे उतरेंगे। शहर के सभी लंबित विकास कार्यों को तय समय सीमा में पूरा किया जाएगा।" इस अवसर पर नपा सदस्य प्रवेश मेहदीरत्ता, दिव्या कपूर एवं साहिल सवी चावला विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर नगर पालिका द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटों और सड़कों के सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गली के निर्माण कार्य से खुश होकर मोहल्लावासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान कई गणमान्य नागरिक एवं वार्डवासी भी मौजूद रहे।

पिस्तौल समेत आरोपी काबू

अंबाला। सीआईए-2 ने अवैध हथियार रखने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है।आरोपी से देसी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस व गाड़ी भी जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। सीआईए-2 के प्रभारी निरीक्षक अनिल ने बताया कि उनकी टीम अपराध नियन्त्रण के लिए गश्त पर तैनात थी। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि रेलवे अंडर पास नजदीक टांगरी बांध के पास आरोपी गाड़ी सहित खड़ा है। उसके पास अवैध हथियार है जो किसी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है। पुलिस ने रेड कर आरोपी को हथियार समेत काबू किया। अब उसे 2 दिन के रिमांड पर लिया गया है।

जानलेवा हमला करने वाले दो गिरफ्तार: थाना पंजोखरा साहिब में दर्ज गोली चलाकर हमला करने के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी शिवम व राज कुमार को गिरफ्तार किया है।आरोपी शिवम को पुलिस ने दो दिन के रिमांड पर लिया है। दरअसल टुंडला के रणधीर सिंह ने 2 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी ,अन्य ने गांव टुण्डला में उस पर गोली चलाकर जानलेवा हमला करने का आपराधिक कार्य किया है।

धमकी देने के मामले में काबू (अंबाला)। थाना अंबाला सदर में दर्ज मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी अवकाश कुमार उर्फ विकास को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता कर्मबीर सिंह ने 20 दिसंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 19 दिसंबर 2025 को आरोपी राजन, हर्ष व अन्य ने उसका व उसके दोस्त कर्णवीर का रास्ता रोककर मारपीट कर चोट पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी देने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

लंबित मांगों को लेकर डीईओ को सौंपा ज्ञापन

- समय पर वेतन और प्रशिक्षण देने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

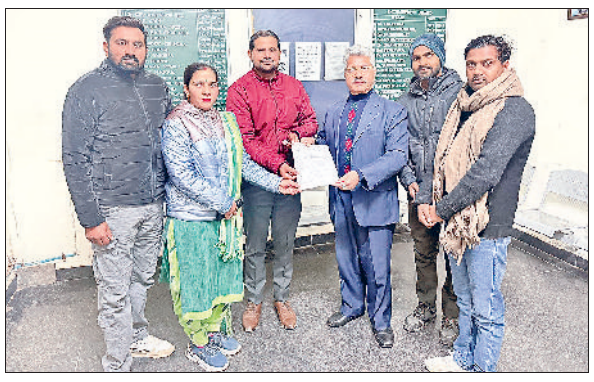

बराड़ा। डीईओ को ज्ञापन सौंपते हुए टीचर्स। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अंतर्गत स्कूलों में कार्यरत टीजीटी व पीजीटी अध्यापकों ने अपनी मांगों को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा को ज्ञापन सौंपा। अध्यापकों ने ज्ञापन के माध्यम से समय पर वेतन न मिलने और प्रशिक्षण से वंचित रखे जाने जैसी गंभीर समस्याओं की ओर विभाग का ध्यान आकर्षित किया। अध्यापकों ने बताया कि बजट उपलब्ध होने के बावजूद उन्हें निर्धारित तिथि पर मासिक वेतन नहीं मिल पाता। कई बार वेतन आने में दो से तीन महीने तक का समय लग जाता है जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब नियमित (रेगुलर) और गेस्ट अध्यापकों का वेतन एक निश्चित तिथि पर जारी हो जाता है तो एचकेआरएन अध्यापकों के साथ यह भेदभाव क्यों किया जा रहा है। अध्यापकों ने आग्रह किया कि उनका वेतन भी एक निश्चित तारीख से पहले नियमित रूप से दिलवाया जाए ताकि उन्हें घर-परिवार के खर्च, किराया और अन्य आवश्यकताओं के लिए कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। अध्यापकों ने बताया कि सर्वेक्षण एवं अन्य शैक्षणिक कार्यों में उन्हें शामिल तो किया जाता है, लेकिन आवश्यक प्रशिक्षण के लिए नहीं बुलाया जाता। इससे कार्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है और अध्यापक स्वयं को उपेक्षित महसूस करते हैं।

जल्द होगा समाधान

उन्होंने मांग की कि नियमित और गेस्ट अध्यापकों की तरह ही एचकेआरएन अध्यापकों को भी समय-समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वहन और अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने अध्यापकों की बातों को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि उठाई गई सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। डीईओ ने कहा कि अध्यापकों की भूमिका शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ है और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। अध्यापकों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनके साथ न्याय करेगा और शीघ्र ही वेतन भुगतान की प्रक्रिया को नियमित तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस मौके पर सुशील कुमार, अंग्रेज, राहुल, आरती व अन्य टीचर्स मौजूद थे।

कार्यक्रम अंबाला सर्कल सैनी सभा ने किया नेत्र और रक्तदान शिविर का आयोजन

माता सवित्रीबाई फुले की जयंती पर 71 युवाओं ने किया रक्तदान

सैनी समाज हमेशा सामाजिक कार्यों में अग्रणी:देवेंद्र सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। शिविर में रक्तदान करते युवा। फोटो : हरिभूमि

अंबाला सर्कल सैनी सभा में शनिवार को माता सवित्रीबाई फुले की जयंती पर रक्तदान एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। सभा के प्रधान देवेंद्र सैनी ने इसकी अध्यक्षता की। इस शिविर में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भाजपा नेता रितेश गोयल, भाजपा जिलाध्यक्ष मनदीप राणा व नगर निगम डिप्टी मेयर राजेश मेहता का प्रधान देवेंद्र सैनी व अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया। तत्पश्चात अतिथियों ने माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने पश्चात दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर रितेश गोयल ने कहा कि देश की पहली महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की देन से पूरा वर्ग सामाजिक तरक्की कर रहा है। सर्दी में रक्त की आवश्यकता को देखते हुए अंबाला सर्कल सैनी सभा द्वारा लगाए गए इस रक्तदान शिविर का बड़ा महत्व माना गया है। जोकि समाजहित में बहुत बड़ा कार्य है।

ये रहे मौजूद

इस दौरान सभा के प्रधान देवेंद्र सैनी ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कहा कि सैनी समाज हमेशा सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहता है। इस पुण्य कार्य के लिए हम सभा की ओर से सभी समाज के सदस्यों का भी अभिनंदन करेंगे, जिन्होंने इस रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदान कर समाज को एक संदेश देने का काम किया है। इस मौके पर सभा के पेटर्न पूर्ण प्रकाश सैनी, दलजीत सिंह पूनिया, युवा प्रधान आशु सैनी, पूर्व प्रधान जब्बर सैनी, उपप्रधान मोहनलाल सैनी, राजेश सैनी, मनोज सैनी, जय सिंह सैनी, रोहित सैनी, ज्ञान सैनी, बलबीर सैनी, साधु राम बड़ोली, रामचंद्र सैनी, दीपक सैनी, तरसेम सैनी, डॉ. केसी. सैनी सहित समाज के सदस्य मौजूद रहे हैं। रक्तदान शिविर में अमित सैनी, हितेश सैनी, मनीष सैनी, अमनदीप सिंह, रोहित सैनी, साहिल सैनी, प्रधान देवेंद्र सैनी सहित कई सदस्यों ने रक्तदान किया। इस मौके पर जिला रेड क्रॉस सोसायटी की टीम व नेत्र जांच शिविर में नरेश चोपड़ा, किरण छिब्बर आदि ने अपनी सेवाएं प्रधान की हैं। इस मौके पर प्रधान देवेंद्र सैनी ने बताया कि रक्तदान शिविर में 71 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

पहली महिला शिक्षिका सवित्रीबाई फुले ने खोले दलित-पिछड़ों के लिए शिक्षा के द्वार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारायणगढ़

- सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया

अंबाला। सावित्री बाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते सुरेश व अन्य।

देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उन्हें याद कर नमन किया गया। सैनी धर्मशाला में नम्बरदार सुरेश पाल एवं उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया तथा उनके योगदान को स्मरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भाई नंबरदार सुरेश पाल ने मुख्य रूप से सहभागिता करते हुए सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मास्टर बलजीत सैनी, श्री चंद, हरिंदर कुमार एवं कश्मीरी लाल आदि ने भी पुष्प अर्पित कर महान समाज सुधारक को सावित्रीबाई फुले को नमन किया। इस अवसर पर नंबरदार सुरेश पाल ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में महिला शिक्षा की अलख जगाई, जब समाज में अनेक कुरीतियां व्याप्त थीं। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने न केवल महिलाओं को शिक्षित किया, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान और समानता का अधिकार भी दिलाया। उनका संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को समर्पित रहा। आज के समय में उनके विचारों को अपनाकर ही एक समरस, शिक्षित और प्रगतिशील समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सावित्रीबाई फुले के आदर्शों को अपनाकर शिक्षा, समानता और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में सकारात्मक भूमिका निभाएं। इस अवसर पर मास्टर बलजीत सैनी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम मानती थीं। कहा कि उन्होंने दलितों, पिछड़े वर्गों एवं बालिकाओं के लिए शिक्षा के द्वार खोलकर सामाजिक क्रांति की नींव रखीं।

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी
संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनों की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026
संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप थ्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगति: इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरो: इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूत: डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्स: संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूज: इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे
गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

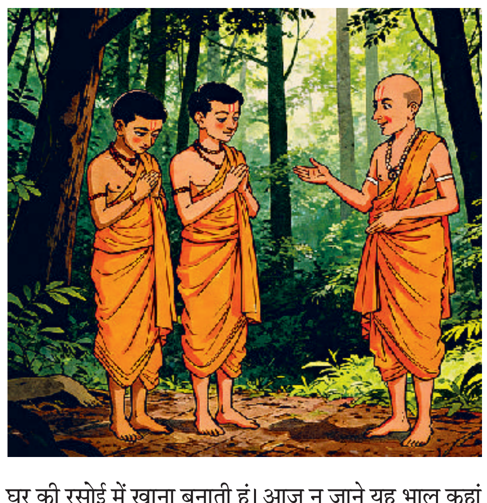

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है। 'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है। 'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

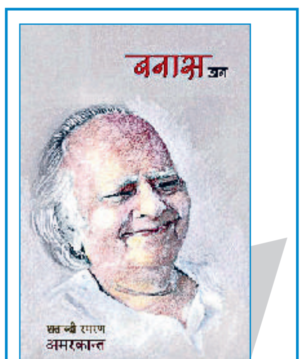

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादक: पल्लव, मूल्य: 200 रुपए

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

इंडोनेशिया

अगर आपको पर्यटन का शौक है और आप देश-विदेश के चुनिंदा लोकेशंस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग देशों में स्थित इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस की सैर जरूर करनी चाहिए। इन विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की खासियतों को खुद के अनुभव से लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

टूरिज्म
समीर चौधरी

5 फैमिली के संग घूम आइए अमेजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

अब तक मैं 125 से अधिक देशों की यात्रा कर चुका हूं और इस अनुभव से मेरा यकीन पुख्ता हुआ है कि दुनिया को समझने का सबसे विश्वसनीय रास्ता पर्यटन ही है। अपने तजुर्बे की रोशनी में मेरा सुझाव है कि अगर आप इस साल विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस को प्राथमिकता दे सकते हैं, क्योंकि इन स्थलों पर प्रकृति, संस्कृति और परिवर्तनीय अनुभवों को वास्तव में महसूस किया जा सकता है।

इंडोनेशिया मिलेंगे विविधरंगी अनुभवः इंडोनेशिया दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिनमें आकर्षण व दिलचस्पी का हर रंग देखने को मिल जाता है। यहां बोर्नियो में ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक स्थलों में देखने के बाद आपको वन्यजीव संरक्षण के वास्तविक महत्व का एहसास होगा। फ्लोर्स में सक्रिय ज्वालामुखी, परंपरागत गांव और अविश्वसनीय नीले सागर एक विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक यात्रा का अनुभव कराते हैं। पश्चिम में लोंबोक में आपको मिलेंगे रिंजानी जैसे ज्वालामुखी, शासक संस्कृति, सुंदर झरने और शांत समुद्री तट, जहां बाली की तरह पर्यटकों की भीड़ नहीं होगी और पास में ही गिल द्वीप (विशेषकर गिल एयर और गिल मेनो) में साफ-स्वच्छ जल, सी टर्टल और आरामदायक वातावरण का जन्नत है, जो दक्षिणपूर्व एशिया में अब लगभग लुप्त हो चुका है। इंडोनेशिया में आप विशेष रूप से तनजुंग पुटिंग, केलिमुतु, कोमोडो, रिंजानी, तिउ केलेप, सेंदांग गिले, गिल एयर और गिल मेनो को जरूर देखें। लोंबोक और गिल जाने के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर है, जबकि बोर्नियो और फ्लोर्स के लिए जून से सितंबर। आपको इंडोनेशिया इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि यहां आपको जीवित संस्कृति, ज्वालामुखी, स्वप्निल समुद्री तटों और संसार में कुछ सबसे विशेष अनुभवों का संगम देखने को मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका दिखेगा वाइल्डलाइफ का बेहतरीन नजाराः दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध क्रूगर नेशनल पार्क तो देखने के लिए है ही। इसके अलावा भी बहुत कुछ देखने के लिए वहां है। एक अलग मार्ग केपटाउन में आरंभ होता है और फिर स्टेल्लनबोश व फ्रांसचोक के अंगूरों के खेतों से होता हुआ समारा और ग्रेट कारु तक जाता है। फिर वहां से आप किंबर्ले के लिए फ्लाइट ले सकते हैं और कालाहारी जा सकते हैं। वहां शानदार सफारी का आनंद भी आप उठा सकते हैं। 'वर्किंग विद वाइल्डलाइफ' जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में संचालित हैं, जो विभिन्न समुदायों और जीव प्रजातियों के संरक्षण में मदद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय मई से सितंबर तक है और विशेष रूप से आपको समारा, कारु नेशनल पार्क, केप वाइनयाड्र्स और कालाहारी देखने चाहिए।

दक्षिण अफ्रीका में क्रुगर नेशनल पार्क

मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट

फिजी

फिनिक्स पार्क डबलिन सिटी सेंटर

फिजी आकर्षक सांस्कृतिक विविधता का देशः अपनी मेहमाननवाजी, शुद्ध प्राकृतिक वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए मशहूर फिजी की यात्रा आपके लिए निश्चित तौर पर यादगार अनुभवों से भरी होगी। यहां के अंदरूनी गांवों में खासतौर से मिलने वाले कावा (एक विशेष प्रकार का पेय) का स्वाद और अनुभव फिजी आने वाले पर्यटक जरूर लेते हैं। कावा एक अनोखा पेय होने के साथ-साथ फिजी के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-सा बन गया है। फिजी की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक माना जाता है। फिजी यात्रा के दौरान आपको यसावा, विती लेवु व मोनुरिकी अवश्य देखना चाहिए। फिजी आपको इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि इसके आकर्षक सी बीच, आपको यहां की अति सुंदर संस्कृति से जोड़ते हैं।

न्यूयॉर्क सिटी अमेजिंग सेंट्रल पार्क के लिए प्रसिद्धः अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में स्थित सेंट्रल पार्क न सिर्फ दुनिया भर के सिटी पार्कों के लिए अच्छी मिसाल है बल्कि मेनहट्टन के बीच में स्थित यह स्थान अपने आपमें सेलेब्रिटी स्टेटस रखता है। पार्क का दक्षिणी हिस्सा न्यूयॉर्क सिटी और उसके रईस सबअर्ब की याद दिलाता है। उत्तरी हिस्सा अपने पहाड़ों, पेड़ों व बेंचों के कारण इस शहर के अतीत की याद दिलाता है। इस मास्टरपीस का आनंद लेने के लिए खुले मैदान में बैठें, झील के पास ब्रेक लें, स्ट्रॉबेरी खेतों के पास रुकें जो जॉन लेनन की याद में हैं या जाड़े में आइस स्केटिंग करें। जिन पर्यटकों को कला, प्रकृति और विज्ञान में दिलचस्पी है, वे मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट और अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में जा सकते हैं, जो पार्क के बीच के हिस्से में ही स्थित हैं।

फिनिक्स पार्क शोर-शराबे से दूर नेचर के करीबः आयरलैंड के डबलिन सिटी सेंटर के निकट ही फिनिक्स पार्क स्थित है। लिफ्फेय नदी के साथ वाली सड़क पर डबलिन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट द्वारा यहां तक पहुंचने में 20 मिनट लगते हैं। फिनिक्स पार्क आपको शोर-शराबे से बहुत दूर ले जाता है। इसकी झील के पास आपको सैकड़ों जंगली हिरण घूमते हुए मिल जाएंगे, जिनसे आपकी नजर नहीं हट सकेगी। यहां पापल क्रॉस, वेलिंगटन स्मारक और सेंट थॉमस हिल के ऊपर तारे के आकार का मैगजीन फोर्ट जैसे स्मारक भी दर्शनीय हैं। इनके अलावा एक्लेक्टिक फार्मलीग हाउस भी देखने योग्य है। *

नए साल में करिए खुद को ऐसे अपडेट

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

नए साल का आगाज हो चुका है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस नए साल में खुद को अपडेट करने के लिए क्या कुछ ऐसा करें, जिससे आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी में निखार आए, आपके करियर को भी एक नया मुकाम हासिल हो। इसके लिए कुछ उपयोगी सलाह।

आपने देखा होगा कि समय-समय पर शोरूम, पत्र-पत्रिकाएं, बड़े ब्रांड्स आदि अपने कलेवर बदलते और दुरुस्त करते रहते हैं, खुद को रिन्यू करते रहते हैं। वास्तव में रीब्रांडिंग, रीन्यूअल और रेनोवेशन एक सतत प्रक्रिया है। एक व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। इसकी शुरुआत अभी शुरू हुए नए साल से भी की जा सकती है।

नया माइंडसेट : हमारा दिमाग मांसपेशी की तरह होता है। इसे जितनी चुनौती, मशक्कत और वर्जिश देंगे, यह उतना ही मजबूत होगा। इसलिए इसे नयापन या स्ट्रेंथ देने के लिए ऐसी नई स्किल्स सीखें, जिससे दिमाग की कसरत होती हो। जैसे कोई नई भाषा सीखें, पब्लिक स्पीकिंग की प्रैक्टिस करें, कोडिंग या कोई नया आर्ट सीखें। रोज सुबह एक नोटबुक में लिखें कि बीते कल आपने क्या नया महसूस किया, देखा या सीखा? दिन में जब फुर्सत मिले, 5-10 मिनट का कोई ऐसा पॉडकास्ट देखें, जो किसी नए और दिलचस्प विषय पर आधारित हो।

नई बॉडी-स्ट्रेंथः आपका शरीर सतत क्रियाशील रहता है। जाहिर है, इससे ऊर्जा का क्षय होता है और शरीर में थकान व दुर्बलता भी आती है। इसलिए इसे समुचित ऊर्जा और पोषण रूपी ईंधन की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में बहुरंगी सब्जियां और फल शामिल करें, पौष्टिक अनाज, दूध, दही, दालें आदि अवश्य लें। एक्सरसाइज, वॉक, जॉगिंग, साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

नई स्किलः ज्यों-ज्यों समय बीतता है आपका शरीर ही नहीं, आपका टैलेंट, नॉलेज और स्किल भी बहुत हद तक पुराना और आउटडेटेड होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि आप इन्हें भी समय के साथ अपडेट करते रहें। आपको इस साल कुछ ऐसी स्किल सीखनी चाहिए, जो आपकी दिलचस्पी की हों और जरूरत की भी। आने वाले समय में ग्राफिक डिजाइनिंग, स्टॉक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, कॉपीराइटिंग जैसे स्किल्स आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

नए संबंधः बदलते परिदृश्य, बदलते ट्रेंड और बदलते परिवेश के हिसाब से आपको अपने आस-पास के लोगों का दायरा भी अपडेट करना पड़ता है। आज की दुनिया में सोशल कनेक्शन बहुत जरूरी है। बड़ा सोशल नेटवर्क आपको फायदा पहुंचाएगा। आपको अपनी दिलचस्पी और जरूरत के मुताबिक नए लोगों से मेल बढ़ाना चाहिए, जो आपको मोटिवेट कर सके, व्यापारिक या प्रोफेशनल लाभ पहुंचा सकें और जिनसे आप कुछ नया सीख सकें।

सेल्फ अवेयरनेसः पर्सनालिटी डेवलपमेंट के प्रमुख घटकों में से एक है सेल्फ अवेयरनेस। सेल्फ अवेयरनेस के माध्यम से आप अपने मूल्यों, कमियों और खूबियों के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिससे आपको अधिक सार्थक लक्ष्य बनाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह गुण आपको उन विशेषताओं को स्वीकार करने और पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है, जो आपको विशिष्ट बनाती हैं। आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस) दूसरों के साथ सरस और सार्थक रिश्ते बनाने की आपकी क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

माइंडफुलनेस का अभ्यासः ध्यान देना यानी माइंडफुलनेस सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की महत्वपूर्ण नीति है। ध्यान देने का अर्थ है, अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूकता बनाए रखना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना। भावनात्मक नियंत्रण में सुधार, तनाव का स्तर कम होना और फोकस की अवधि बढ़ना जैसे कई फायदे आपको माइंडफुलनेस के अभ्यास से मिलते हैं।

उपयोगी आदतेंः हर व्यक्ति की पहचान उसकी अपनी आदतों की वजह से भी बनती है। आपको कुछ ऐसी आदतें सीखनी चाहिए जो आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी और आर्थिक रूप से भी आपको इंप्रूव करती हों। जैसे- रोजाना पर्याप्त पानी पीना, रोज किसी किताब के कम से कम पांच पेज पढ़ना, रोज सुबह जाकर 5 से 5:30 के बीच जागकर ब्रीदिंग एक्सरसाइज, वॉक आदि करना। बाजारू खाना त्याग कर घर का ताजा भोजन करना। बिजनेस न्यूज चैनल देखना और बिजनेस पत्रिकाएं पढ़कर आर्थिक मोर्चे पर खुद को नियमित अपडेट करना। आर्थिक खबरों, नई सरकारी नीतियों से रूबरू रहना। *

विशेषः विश्व ब्रेल दिवस 4 जनवरी

जानकारी
अंजू जैन

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में लुई ब्रेल ने नई आशा का संचार ब्रेल लिपि के जरिए किया था। क्या है ब्रेल लिपि, इसका महत्व और उद्देश्य क्या है? आज 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं विस्तार से।

दृष्टिबाधितों के जीवन में ब्रेल लिपि से फैला उजाला

आपने क्या कभी सोचा है कि अगर हमारी आंखों के सामने अंधेरा हो, तो हम किताबें या अपनी पसंदीदा कहानियां कैसे पढ़ेंगे? हम रंगों को कैसे पहचानेंगे या गणित के सवाल कैसे हल करेंगे? दुनिया में लाखों ऐसे लोग हैं, जो देख नहीं सकते, लेकिन वे हमारी-आपकी तरह ही पढ़ते हैं, लिखते हैं और कंप्यूटर चलाते हैं। यह सब मुमकिन होता है 'ब्रेल लिपि' की सुविधा से।

लुई ब्रेल

क्यों मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः वर्ष 2019 से हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश के लिए ब्रेल लिपि (स्पर्शनीय लेखन प्रणाली) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसी दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती होती है। लुई का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के एक छोटे से गांव में हुआ था। जब वे मात्र 3 साल के थे, तो अपने पिता की कार्यशाला में औजारों से खेलते समय उनकी आंखों में चोट लग गई और धीरे-धीरे उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। लुई पढ़ना चाहते थे, लेकिन उस समय नेत्रहीनों के लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मात्र 15 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा तैयार की, जिसे छूकर पढ़ा जा सकता था। उन्हीं के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 से हर साल 4 जनवरी को आधिकारिक तौर पर 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाने की शुरुआत की।

कुछ इस तरह मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः इस अवसर पर स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जहां लोगों को ब्रेल लिपि के बारे में बताया जाता है। ब्रेल पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिताएं होती हैं। दृष्टिबाधित लोगों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की जाती है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके।

क्या है ब्रेल लिपिः ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि एक 'कोड' या 'लिपि' है। इसे कागज पर उभरे हुए बिंदुओं के जरिए पढ़ा जाता है। इसमें कुल 6 बिंदु होते हैं। इन 6 बिंदुओं को अलग-अलग क्रम में सजाकर अक्षर, संख्याएं और संगीत के संकेत बनाए जाते हैं। नेत्रहीन बच्चे अपनी अंगुलियों के पोरों से इन उभरे हुए बिंदुओं को छूकर महसूस करते हैं और तेजी से पढ़ लेते हैं।

ब्रेल लिपि, दृष्टिहीनों को पढ़ने का मौका तो देती ही है, इससे उनके जीवन और उनके प्रति लोगों के नजरिए में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलते हैं। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन यानी 'विश्व ब्रेल लिपि दिवस' की शुरुआत इसलिए की, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि हर किसी को, चाहे वह देख सकता हो या नहीं, शिक्षा, सूचना और संचार का समान अधिकार है।

ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरताः ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण दरवाजा है। इसके बिना उनके लिए किताबें पढ़ना, स्कूल जाना या कंप्यूटर इस्तेमाल करना बहुत मुश्किल होता। जबकि इसके माध्यम से वे पढ़-लिखकर शिक्षक, तकनीक विशेषज्ञ, कलाकार आदि जो चाहे बन सकते हैं और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। ऐसे अनेक दृष्टिबाधित सफल लोगों के उदाहरण हमें देखने-सुनने को मिलते रहते हैं।

आसान हुआ दैनिक जीवनः बैंक नोटों पर उभरे हुए प्रतीकों के रूप में ब्रेल लिपि का इस्तेमाल किया जाता है। दवाइयों के लेबल पर और सार्वजनिक स्थानों पर दिशा बताने वाले संकेतों पर भी ब्रेल लिपि उभरी होती है। आजकल रेलवे टिकट पर भी कई जगह ब्रेल लिपि दी जाती है। ब्रेल लिपि के इस तरह के इस्तेमाल से दृष्टिबाधित लोगों का जीवन बहुत हद तक आसान हुआ है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए कुछ और भी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनसे उनको पढ़ने में सुविधा होती है।

रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्लेः ये छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं, जिनमें पिनों की पंक्तियां होती हैं, जो ऊपर-नीचे होकर ब्रेल के बिंदु बनाती हैं। जब आप कंप्यूटर, फोन या टैबलेट से कनेक्ट करते हैं, तो यह डिजिटल टेक्स्ट को तुरंत ब्रेल में दिखाता है, और आप एक बटन दबाकर अगली लाइन पर जा सकते हैं।

ब्रेल ई-रीडरः ये विशेष उपकरण होते हैं जो सीधे डिजिटल ब्रेल किताबें (ऑनलाइन लाइब्रेरी से डाउनलोड की गई) पढ़ सकते हैं। इनमें नोट्स लेने, कैलकुलेटर और फाइल मैनेजर जैसे इन बिल्ट फीचर्स भी हो सकते हैं, जो इन्हें पोर्टेबल बनाते हैं।

ब्रेल नोट टेकरः ये छोटे पोर्टेबल डिवाइस होते हैं जिनमें ब्रेल की-बोर्ड और डिस्प्ले होता है। ये नोट्स लेने, कैलेंडर और ईमेल जैसी सुविधाओं के साथ आते हैं और वाई-फाई के जरिए क्लाउड से जुड़ सकते हैं। *

बहुत सुविधाजनक है डिजिटल ब्रेल

डिजिटल ब्रेल, दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पढ़ने और लिखने का एक आधुनिक तरीका है। यह रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले और ब्रेल ई-रीडर जैसे उपकरणों के माध्यम से संभव होता है, जो डिजिटल टेक्स्ट (जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट से) को पिन की मदद से उभरे हुए ब्रेल अक्षरों में बदलते हैं। इस तरह वे ऑनलाइन जानकारी, किताबें और दस्तावेज आसानी से एक्सेस कर पाते हैं और इससे उन्हें शिक्षा और अपने काम में बहुत मदद मिलती है।

सिने ट्रेंड-2026
अशोक जोशी

हालांकि बीता साल बॉलीवुड के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। लेकिन इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। यह देखना रोचक होगा कि इस साल कौन-कौन सी फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी।

बॉलीवुड के लिए बहुत उम्मीदों भरा है यह साल

बॉलीवुड में हर साल बड़ी संख्या में फिल्में रिलीज होती हैं। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो रिलीज फिल्मों में से कुछ ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिल पाती है। अब पिछले साल प्रदर्शित फिल्मों पर नजर दौड़ाएं तो 'सैयारा', 'छावा' और 'धुरंधर' जैसी कुछ फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो सकीं। पिछले साल रिलीज्ड और सक्सेसफुल फिल्मों के बीच बड़ा अंतर होने के बावजूद निर्माताओं को इस साल अपनी फिल्मों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

रिलीज होंगी बिग स्टार्स की फिल्में: नए साल में बिग स्टार्स की कुछ धमाकेदार फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल, धर्मेंद्र दोनों अलग-अलग फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही प्रभास के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ एक और जोड़ी है जिसकी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और वो हैं थलापति विजय और बॉबी देओल।

साल की शुरुआत 'इक्कीस' सेः 'इक्कीस' फिल्म में धर्मेंद्र आखिरी बार नजर आए हैं। उनका बीते नवंबर निधन हो गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। साल के पहले ही दिन रिलीज हो चुकी इस फिल्म के प्रचार में धर्मेंद्र को हाईलाइट किया गया है। 'इक्कीस' में जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, विवान शाह भी नजर आ रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया है श्रीराम राघवन ने।

इन साउथ-सुपर स्टार्स की फिल्मों में होगा क्लैशः इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 9 जनवरी को साउथ के दो बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में रिलीज हो रही हैं। इस दिन जहां एक ओर 'बाहुबली' फेम प्रभास की 'राजा साब' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, जरीना बहाव, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, कियारा आडवाणी जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। दूसरी तरफ 9 जनवरी को ही साउथ के एक और सुपरस्टार थलापति विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होगी। यह विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह अपना पूरा समय राजनीति में देंगे। इस फिल्म में विजय के साथ बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी दिखेंगे।

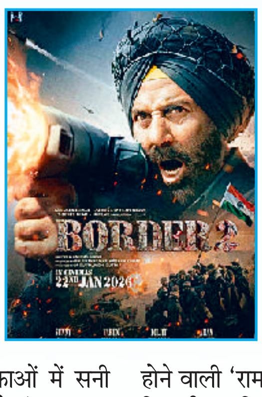

आएंगे कई सुपरहिट फिल्मों के सीक्वलः किसी भी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को प्रायः सफलता की गारंटी माना जाता है। इस साल भी कई सफल फिल्मों के सीक्वल सिने प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' इसी महीने 23 जनवरी को रिलीज हो रहा है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी नजर आने वाले हैं। बीते दिनों सनी देओल की 'गदर 2' ने खूब कमाई की थी। कुछ ऐसी ही उम्मीद 'बॉर्डर 2' से भी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' की कहानी दर्शकों को थिएटर तक खींच पाती है या नहीं? आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी।

इसी साल सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' का भी सीक्वल 'एनिमल पार्क' रिलीज होने जा रही है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'एनिमल' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल पार्क' में और भी ज्यादा थ्रिल और इमोशन दिखाए जाने की उम्मीद है।

इन फिल्मों से भी हैं बड़ी उम्मीदें: इस साल रिलीज होने वाली संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल और यश की मुख्य भूमिका वाली बिग बजट फिल्म 'रामायण' का भी इस साल दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहेगा। दो पार्ट में रिलीज होने वाली 'रामायण' का पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान जी और यश रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

आएंगी सलमान-शाहरुख की फिल्में: इस वर्ष लगभग तीन साल बाद शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित 'किंग' में शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ पहली बार दिखेंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित फिल्म है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। *